जीवाणु संक्रमण और एंडोमेट्रियोसिस के बीच संबंध

एंडोमेट्रियोसिस की व्यापकता के बावजूद **एंडोमेट्रियोसिस (Endometriosis) के अंतर्निहित कारणों के बारे में पता लगाना वर्तमान में भी काफी कठिन** है। हालाँकि हालिया अध्ययन में **एक विशिष्ट बैक्टीरिया और एंडोमेट्रियोसिस के विकास और तीव्रता के बीच संभावित संबंध** पर प्रकाश डाला गया है।

एंडोमेट्रियोसिस:

- **परिचय**:
  - यह विश्व भर में **लगभग 10 में से एक महिला** को प्रभावित करने वाली दीर्घकालिक बीमारी है। यह तब विकसित होती है **जब गर्भाशय के बाहर बढ़ने वाले एंडोमेट्रियल ऊतक** (जो आमतौर पर गर्भाशय को कवर करता है) के परिणामस्वरूप अंडाशय, फैलोपियन ट्यूब, मूत्राशय, बृहदान्त्र अथवा अन्य पैल्विक अंगों/श्रोणी क्षेत्रों पर घाव विकसित होने लगते हैं।
  - **एंडोमेट्रियोसिस का सटीक कारण अभी भी अज्ञात है।**
- **प्रभाव**:
  - एंडोमेट्रियोसिस से **पीड़ित महिलाओं में अक्सर बाँझपन, पीरियड्स के दौरान लंबे समय तक तकलीफ, पेल्विक क्षेत्र में दर्द, सूजन, मतली, थकान** का अनुभव होता है, साथ ही उनमें अवसाद और चिंता का खतरा भी अधिक हो सकता है।
- **मौजूदा उपलब्ध उपचार:**
  - **हार्मोनल थेरेपी:** जन्म नियंत्रण गोलियाँ या हार्मोन युक्त अंतर्गर्भाशयी उपकरण जैसे कुछ हार्मोन-आधारित उपचार एंडोमेट्रियल ऊतक के विकास को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं।
  - **सर्जरी:** एंडोमेट्रियल ऊतक को हटाने अथवा नष्ट करने के लिये लेप्रोस्कोपिक सर्जरी का सहारा लिया जा सकता है।
  - **प्रजनन उपचार (Fertility Treatment):** प्रजनन संबंधी समस्याओं का सामना करने वाली महिलाओं के लिये **इन विट्रो फर्टिलाइज़ेशन** (IVF) जैसी सहायक प्रजनन तकनीकों पर विचार किया जा सकता है।

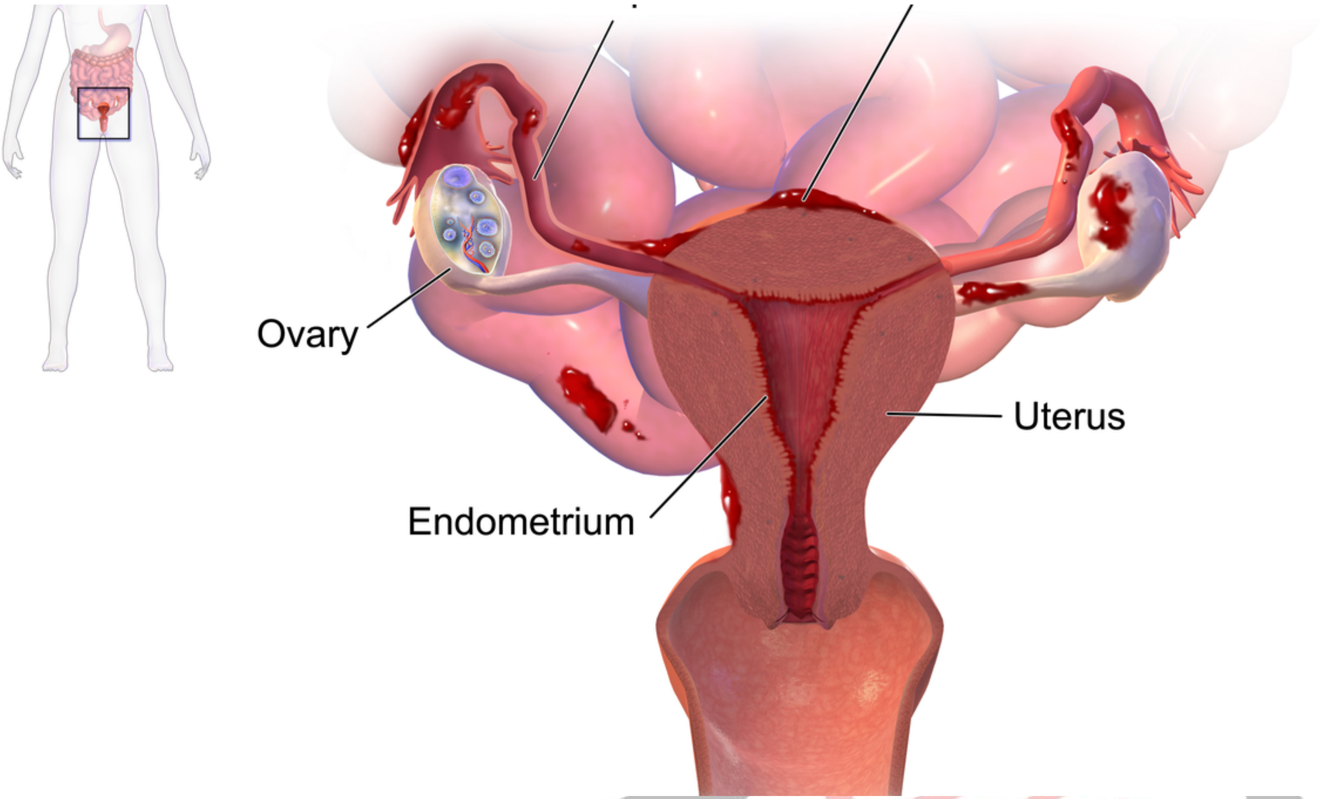

//

एंडोमेट्रियोसिस से संबंधित जीवाणु संक्रमण:

- एंडोमेट्रियोसिस से संबंधित जीवाणु संक्रमण **फ्युज़ोबैक्टीरियम (Fusobacterium)** नामक बैक्टीरिया की एक प्रजाति के कारण होता है।
    - फ्युज़ोबैक्टीरियम **आमतौर पर मुँह और आँत में पाया** जाता है जहाँ यह दंत पट्टिका, मसूड़ों की बीमारी, एपेंडिसाइटिस (Appendicitis) एवं आंत्र में सूजन रोग का कारण बन सकता है।
    - हालाँकि यह **रक्तप्रवाह या यौन संपर्क** के माध्यम से शरीर के अन्य भागों में भी फैल सकता है जिससे फेफड़े, मस्तिष्क, यकृत या प्रजनन अंगों में संक्रमण हो सकता है।
- **फ्युज़ोबैक्टीरियम और एंडोमेट्रियोसिस** के बीच संबंध की खोज **जापान के शोधकर्त्ताओं** की एक टीम ने की थी। शोधकर्त्ताओं ने 155 महिलाओं पर अध्ययन किया था जिनमें से 79 को एंडोमेट्रियोसिस था और 76 को नहीं था।
    - शोधकर्त्ताओं ने महिलाओं के रक्त, लार और योनि द्रव में मौजूद बैक्टीरिया के DNA का विश्लेषण किया। शोधकर्त्ताओं ने पाया कि **एंडोमेट्रियोसिस वाली 64% महिलाओं में फ्युज़ोबैक्टीरियम मौजूद था**, जबकि **बिना एंडोमेट्रियोसिस के केवल 7% महिलाओं में फ्युज़ोबैक्टीरियम** पाया गया।
- यह खोज एंडोमेट्रियोसिस के लिये उपचार विकल्पों की शृंखला का विस्तार करने में सहायता कर सकती है। उदाहरण के लिये **प्रतिजैविक या प्रोबायोटिक्स का उपयोग फ्युज़ोबैक्टीरियम को लक्षित करने या शरीर में बैक्टीरिया के स्वस्थ संतुलन को बहाल** करने के लिये किया जा सकता है।
    - हालाँकि **फ्युज़ोबैक्टीरियम** और **एंडोमेट्रियोसिस** के बीच संबंध के कारण की पुष्टि करने तथा यह समझने के लिये गहन शोध की आवश्यकता है कि यह विभिन्न महिलाओं को भिन्न-भिन्न लक्षणों और स्थिति की गंभीरता के साथ किस प्रकार प्रभावित करता है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/link-between-bacterial-infection-and-endometriosis